



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 342]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 11, 2009/ज्येष्ठ 21, 1931

No. 342]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 11, 2009/JYAISTHA 21, 1931

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जून, 2009

सा.का.नि. 402(अ).—करंज श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 2009 का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने का प्रस्ताव करती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियम उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र की, जिसमें यह अधिसूचना अंतर्विष्ट हो, प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात विचार किया जाएगा ;

2. ऐसा कोई व्यक्ति, जो उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई सुझाव या आक्षेप करना चाहता है, उन्हें केन्द्रीय सरकार के विचार के लिए, भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार, विपणन और निरीक्षण निदेशालय, प्रधान कार्यालय सी.जी.ओ. काम्पलेक्स एनएच-IV, फरीदाबाद-121001 को भेज सकेगा।

3. किसी व्यक्ति से प्राप्त सभी आक्षेपों और सुझावों पर जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पहले उक्त प्रारूप नियमों की बाबत प्राप्त होते हैं, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप नियम

1. संक्षिप्त नाम, लागू होना और प्रारंभ :—

- (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम करंज श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 2009 है।
- (ii) वे करंज फली/लेग्युमिनोसी परिवार के पोंगामिया पिन्नाटा पादप की फली से प्राप्त करंज बीजों को लागू होंगे;
- (iii) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :—

- (i) “कृषि विपणन सलाहकार” से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है;

- (ii) “प्राधिकृत पैकर” से ऐसा कोई व्यक्ति या व्यक्ति-निकाय अभिप्रेत है, जिसे इन नियमों के अधीन विहित श्रेणी मानकों और प्रक्रिया के अनुसार करंज बीज के श्रेणीकरण और चिन्हांकन के लिए प्राधिकार प्रमाणपत्र अनुदत्त किया जाए ;
- (iii) “प्राधिकार प्रमाणपत्र” से साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के उपबंधों के अधीन जारी प्रमाणपत्र अभिप्रेत है, जो किसी व्यक्ति या व्यक्ति-निकाय को श्रेणी अभिधान और चिन्ह से करंज बीज के श्रेणीकरण और चिन्हांकन करने का प्राधिकार देता है ;
- (iv) “साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम” से कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 के अधीन बनाए गए साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 अभिप्रेत है ;
- (v) “अनुसूची ” से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ।

3 श्रेणी अभिधान -- करंज बीज की गुणवत्ता उपदर्शित करने वाला श्रेणी अभिधान के लिए मानदंड अनुसूची 2 के स्तंभ 1 में वर्णित किए गए के अनुसार होंगे ।

4. क्वालिटी - इन नियमों के प्रयोजनों के लिए करंज बीजों की क्वालिटी अनुसूची 2 में दिए गए के अनुसार होगी ।

5. श्रेणी अभिधान चिन्ह :-- श्रेणी अभिधान चिन्ह में प्राधिकार प्रमाणपत्र संख्यांक, “एगमार्क ” शब्द वस्तु का नाम और अनुसूची 1 में यथा उपवर्णित के सदृश श्रेणी अभिधान को सम्मिलित करने वाले डिजाइन से मिलकर बना “एगमार्क प्रतीक” होगा ।

6. पैकिंग की पद्धति.--

- (i) करंज बीज को टाट या जूट के बने थैलों पोलीवावन थैलो, पाली, पाउच, कपड़े के थैलों, लैमिनेटिड पॉलीथिलिन या उच्च सघनता वाले पॉलीथिलीन केविलेपित कागज के थैलों, ऐसे किसी अन्य पैकेजिंग सामग्री में ही पैक किया जाएगा जिनकी आंतरिक अस्तर भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा सम्यक रूप से अनुमोदित हो ;
- (ii) पैकिंग सामग्री साफ, सुदृढ़, कीट ग्रस्तता या फफूंद संदूषण से मुक्त होगी और किसी विशक्त पदार्थ से किसी अवांछनीय या असहनीय गंध से भी मुक्त होगा ;
- (iii) करंज बीज कृषि विपणन सलाहकार द्वारा समय समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार पैकिंग साइज में पैक होंगे ।
- (iv) समान लाट/बैच के छोटे पैकों के श्रेणीकृत सामग्री और श्रेणी को श्रेणी अभिधान चिन्ह के साथ उसके पूरे ब्यौरों सहित मास्टर आधान में पैक किया जाएगा ;
- (v) प्रत्येक पैक में समान प्रकार और समान श्रेणी अभिधान के करंज बीज होंगे ।
- (vi) प्रत्येक पैक उचित रूप से और सुरक्षित रूप में बंद और सील किए जाएंगे । बोरे के मुँह पर सिलाई की जाएगी और जिससे रिसाव/बिखरने की संभावना को समाप्त किया जाए ।

7. चिन्हांकन की पद्धति --

- (i) श्रेणी अभिधान चिन्ह, कृषि विपणन सलाहकार या साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 11 के अनुसरण में इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति में प्रत्येक पैकेज में सुरक्षित रूप से लगाया जाएगा, मुद्रित होगा ।
- (ii) इसके अतिरिक्त प्रत्येक पैकेज पर श्रेणी अभिधान चिन्ह के अतिरिक्त, निम्नलिखित विशिष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य रूप में चिन्हांकित होंगी, अर्थात् :-

- (क) पैकर का नाम और पता ;
- (ख) पैकिंग या विनिर्माण का स्थान ;
- (ग) पैकिंग की तारीख ;
- (घ) किस्म या वाणिज्यिक नाम ; (वैकल्पिक)
- (ङ) फसली वर्ष ; (वैकल्पिक)
- (च) श्रेणी ;
- (छ) शुद्ध भार ;
- (ज) अधिकतम खुदरा कीमत (सभी करों सहित) और ;
- (झ).....मास.....वर्ष के पूर्व उपभोग सर्वोत्तम ;
- (ञ) कोई अन्य विशिष्टियां जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं ।

- (iii) पैकेजों पर चिन्हांकन के लिए प्रयुक्त स्याही ऐसी गुणवत्ता वाली होगी जो करंज बीजों को संदूषित न करे ।
- (iv) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् श्रेणीकृत पैकेजों पर अपना निजी व्यापार चिन्ह या व्यापार ब्रांड का उपयोग कर सकेगा परंतु वह इन नियमों के अनुसार आधान पर लगाए गए श्रेणी अभिधान चिन्ह द्वारा उपदर्शित क्वालिटी से भिन्न गुणवत्ता उपदर्शित न करता हो ।

8. प्राधिकार प्रमाणपत्र के अनुदान के लिए विशेष शर्तें :-

- प्रत्येक प्राधिकृत पैकेट साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम के नियम 3 के उपनियम (8) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त समय समय पर किसी विपणन सलाहकार द्वारा विहित सभी अनुदेशों का अनुपालन करेगा ;
- (i) प्राधिकृत पैकर करंज बीज की क्वालिटी का परीक्षण करने के लिए साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 9 के अनुसार कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित अर्हित रसायनज्ञ द्वारा प्रबंध की जा रही अपनी स्वयं की प्रयोगशाला स्थापित करेगा या उस प्रयोजन के लिए अनुमोदित राज्य श्रेणीकरण प्रयोगशाला या सहकारी/संगम प्रयोगशाला निजी वाणिज्यिक प्रयोगशाला में पहुंच रखेगा ;
 - (ii) प्रसंस्करण, श्रेणीकरण और पैकिंग के लिए परिसरों को स्वास्थ्यप्रद और स्वच्छता की दशाओं में रखा जाएगा । इन संक्रियाओं में लगे हुए कार्मिकों का अच्छा स्वास्थ्य होगा और वे किसी संचारी, संसर्गी या संक्रामक रोग से मुक्त होंगे ;
 - (iii) परिसर पक्के फर्श सहित पर्याप्त भंडारण सुविधाओं से युक्त होंगे तथा वह कृन्तक और कीटों के आकीर्षण से मुक्त होंगे ;
 - (iv) प्राधिकृत पैकर और अनुमोदित रसायनज्ञ/परीक्षण, श्रेणीकरण पैकिंग, चिन्हांकन, सील करने और अभिलेखों को रखने संबंधी सभी अनुदेशों का अनुपालन करेंगे जो कृषि विपणन सलाहकार या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा समय-समय पर इस निमित्त दिए जाएं ।

अनुसूची - 1
(नियम 5 देखिए)

एगमार्क प्रतीक का डिजाइन



वस्तु का नाम.....
श्रेणी.....

अनुसूची 2

(नियम 3 और 4 देखिए)

करंज बीज (पोंगामिआ पिन्नाटा) की श्रेणी अभिधान और गुणवत्ता

1. करंज बीज को लेग्युमिनोसी परिवार के पोंगामिआ पिन्नाटा पादप की स्वच्छ स्वस्थ और परिपक्व फली/सेम से अभिप्राप्त किया जाएगा ।

2. न्यूनतम अपेक्षाएं :-

(i) करंज बीज

- (क) स्वास्थ्यकर, पके हुए, स्वच्छ और सूखा बीज होगा ;
- (ख) आकार, आकृति और रंग की विशेषताओं वाला होगा ;
- (ग) जीवित और मृत कीटों, कीट गंध, फफूंदी, लारवा से मुक्त होगा ;
- (घ) कवक ग्रसित फफूंदवृद्धि से मुक्त होगा ;
- (ङ) मिलाए गए कृत्रिम रंजक पदार्थ आदि से मुक्त होगा ;
- (च) कृंदत बाल और मूलमूत्र से मुक्त होगा ;
- (छ) आरजीमोन मैक्सीकाना (लिन.) के विषैले बीजों और अन्य विषैले अपतृणों से मुक्त होगा ;
- (ज) विकृतगंधी और भुकड़ी से मुक्त होंगे ;
- (झ) जब बीजों को पीसा और भिगोया जाए तो बीजों की गंध और सुवास ताजा होगी ।

(ii) करंज बीज, भारी धातुओं, कीटनाशियों और नाशकजीवमारों, फसल संदूषकों, प्राकृतिक रूप से पैदा होने वाले विषैले पदार्थों और घरेलू प्रयोजनों के लिए समय-समय पर यथासंशोधित खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के अधीन यथाविहित अन्य खाद्य सुरक्षा मापदंडों का अनुपालन करेगी ।

(iii) करंज बीज भारी धातुओं, कीटनाशियों की अपशिष्ट सीमा और निर्यात के लिए कोडेक्स एलिमेनटस आयोग निर्यातकों के लिए अपेक्षित आयातित देशों द्वारा अधिकथित अन्य खाद्य सुरक्षा मापदंडों का अनुपालन करेगा ।

3. श्रेणी अभिधान के लिए मानदंड :

श्रेणी अभिधान	बाहरी पदार्थ		टूटे हुए बीजों का प्रतिशत द्रव्यमान द्वारा (अधिकतम)	अधिकतम घनत्व (बीजों की संख्या प्रति कि ग्रा) (अधिकतम)	कीट संक्रमित बीजों का प्रतिशत द्रव्यमान द्वारा (अधिकतम)	नमी का % (अधिकतम)	तेल प्रतिशत शुष्क भार के आधार पर (न्यूनतम)
	कार्बनिक प्रतिशत भार द्वारा (अधिकतम)	अकार्बनिक प्रतिशत भार द्वारा (अधिकतम)					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
विशेष	1.0	0.5	9.0	800	3.0	9.0	30.0
मानक	2.0	1.0	11.0	1000	5.0	10.0	25.0
साधारण	3.0	1.0	12.0	1200	6.0	11.0	20.0

4. अन्य अपेक्षाएं :-

(i) करंज बीज की दशा ऐसी होगी जिससे वे निम्नलिखित के लिए समर्थ हो सकें:-

- परिवहन और हथालन को सहन करने के लिए और
- गंतव्य स्थान में समाधानप्रद दशा में पहुंचने के लिए ।

(ii) करंज बीज स्वच्छ और स्वास्थ्यप्रद दशा में ठंडे और शुष्क स्थान पर भंडार किया जाएगा ।

स्पष्टीकरण :

(क) विजातीय पदार्थ :

(i) कार्बनिक पदार्थ जो करंज बीज से भिन्न पत्तियां, टहनी, तने, कार्बनिक पदार्थ से बना है ।

(ii) अकार्बनिक पदार्थ, जो धात्विक टुकड़ों, बालू, बजरी, धूल, गुटका, पत्थर, मिट्टी के ढेले, मृदा और कीचड़, पशु गंदगी से बना है ।

(ख) कीट प्रभावी बीज से ऐसे बीज अभिप्रेत हैं जो पूर्णतः और भागतः घुन द्वारा उत्पन्न या खाए जाते हैं ।

(ग) संपूर्ण बीज से परिपक्व ठोस और स्वच्छ बीज अभिप्रेत हैं ।

(घ) क्षतिग्रस्त बीज से गिरी या गिरी के टुकड़े अभिप्रेत हैं जो उष्मा, जीवाणु और नमी के परिणामस्वरूप आंतरिक रूप से क्षतिग्रस्त हैं ।

[फा. सं. 18011/5/2008-एम. II]

राजेन्द्र कुमार तिवारी, संयुक्त सचिव (विपणन)

21684709-2

MINISTRY OF AGRICULTURE**(Department of Agriculture and Co-operation)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 4th June, 2009

G.S.R. 402(E).—the following draft of the Karanj seeds Grading and Marking Rules, 2009 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) are hereby published as required by the said section for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rules shall be taken into consideration after the expiry of a period of forty five days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public;

2. Any person desirous of making any suggestion in respect of the said draft rules, may forward the same, within the period specified, to the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, Directorate of Marketing and Inspection, Head Office, CGO Complex, NH - IV, Faridabad (Haryana) 121001, who shall forward the same to the Central Government for consideration.

3. All objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES**1. Short title, application and commencement:-**

- (i) These rules may be called Karanj Seeds Grading and Marking Rules, 2009.
- (ii) They shall apply to Karanj seeds obtained from Karanj pods/beans of plant *Pongamia pinnata* of family *Leguminosae*.
- (iii) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions:-

- (i) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.
- (ii) "Authorized packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of authorization to grade and mark Karanj seeds in accordance with the grade standards and procedure prescribed under these rules;
- (iii) "Certificate of Authorization" means a certificate issued under the provisions of the General Grading and Marking Rules, 1988 authorizing a person or a body of persons to grade and mark Karanj seeds with the grade designation mark;
- (iv) "General Grading and Marking Rules" means the General grading and Marking Rules, 1988 made under section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937);
- (v) "Grade designation mark" means the "Agmark Insignia" referred to in rule 5.

(vi) "Schedule" means a Schedule appended to these rules.

3. Grade designations:-

The Grade designations to indicate the quality of Karanj seeds shall be as set out in column I of Criteria for Grade designation of Schedule II.

4. Quality:-

For the purpose of these rules, the quality of Karanj seeds shall be as given in Schedule II.

5. Grade designation mark:-

The grade designation mark shall consist of "AGMARK insignia" consisting of a design incorporating the certificate of authorization number, the word "AGMARK", name of commodity and grade designation resembling the design as set out in Schedule- I.

6. Method of packing:-

(i) Karanj seeds shall be packed in gunny bags/jute bags, polywoven bags, poly pouches, cloth bags, High Density Poly Ethylene (HDPE) laminated paper bags, new or un-mended B-Twill bags or any other safe packing material with suitable inner lining as approved by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

(ii) The packing material shall be clean, sound, free from insect and/or fungal infestation and should not impart any toxic substance or undesirable odour or flavour to the product.

(iii) Karanj Seeds shall be packed in pack sizes as per the instructions issued by Agricultural Marketing Adviser from time to time.

(iv) Graded material of small pack sizes of the same lot/batch and grade may be packed in a master container with complete details thereon along with grade designation mark.

(v) Each package shall contain Karanj seeds of the same type and of the same grade designation.

(vi) Each package shall be properly and securely closed and sealed. The mouth of the bag should be stitched as to disallow sweating/spilling.

7. Method of Marking:-

(i) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each package in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorized by him in this behalf in accordance with Rule 11 of the General Grading and Marking Rules, 1988.

(ii) In addition to the grade designation mark, following particulars shall be clearly and indelibly marked on each package.

- (a) Name and address of the packer;
- (b) Place of packing/manufacturing;
- (c) Date of packing;
- (d) Variety or trade name; (optional)
- (e) Crop year (optional)
- (f) Grade;
- (g) Net weight;
- (h) Maximum retail Price (inclusive of all taxes);
- (i) BEST BEFORE _____ MONTH _____ YEAR;
- (j) any other particulars as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser

(iii) The ink used for marking on packages shall be of such quality which shall not contaminate the Karanj seeds.

(iv) The authorized packer, may, after obtaining prior approval of the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorized by him in this behalf, mark his private trade mark or trade brand on the graded packages provided that the same do not indicate quality other than that indicated by the grade designation mark affixed to the graded packages in accordance with these rules.

8. Special conditions of certificate of authorization:-

In addition to the conditions specified in sub-rule (8) of rule 3 of the General Grading and Marking Rules every authorized packer shall follow all instructions prescribed by Agricultural marketing Adviser from time to time;

(i) The authorized packer shall either set up his own laboratory as per prescribed norms or have access to an approved State Grading Laboratory or cooperative/association laboratory or a Private Commercial laboratory manned by a qualified chemist approved by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorized by him in this behalf in accordance with Rule 9 of the General Grading and Marking Rules, 1988 for testing the quality of Karanj Seeds.

(ii) The premises shall be maintained in perfect hygienic and sanitary conditions with proper ventilations and well lighted arrangement. The personnel engaged in these operations shall be in sound health and free from any infectious, contagious or communicable diseases.

(iii) The premises shall have adequate storage facilities with pucca floor and free from rodent and insect infestation.

(iv) The authorized packer and the approved chemist shall observe all instructions regarding testing, grading, packing, marking, sealing and maintenance of records which may be issued by the Agricultural Marketing Adviser or any other officer authorized by him in this behalf from time to time.

SCHEDULE-I

(See rule 5)
(Design of Agmark insignia)



Name of the Commodity.....

Grade.....

SCHEDULE -II
(see rule 3 and 4)

GRADE DESIGNATION AND QUALITY OF KARANJ SEED (*Pongamia pinnata*)

1. Karanj Seed shall be obtained from clean, healthy and mature pods/beans of the plant *Pongamia pinnata* of family *Leguminosae*.

2. Minimum Requirements:

(i) Karanj Seeds shall be:-

- (a) wholesome, mature, clean and dried seeds ;
- (b) of characteristic size, shape and colour,
- (c) free from living and dead insects, insect fragments, mites, larvae;
- (d) free from fungus infestation, mould growth ;
- (e) free from added artificial colouring matter;
- (f) free from rodent hair and excreta;
- (g) free from the seeds of *Argemone mexicana* (Linn.), toxic seeds and other toxic weeds;
- (h) free from rancidity and mustiness;
- (i) The odour and flavour of the seeds when grind and moistened shall be fresh;

(ii) Karanj Seeds shall comply with the restrictions in regard to residual levels of heavy metals, insecticides and pesticides, crop contaminants, naturally occurring toxic substances and other food safety requirements as prescribed under Prevention of Food Adulteration (PFA) rules, 1955 amended from time to time for domestic purposes.

- (iii) **Karanja Seeds** shall comply with residual limits of heavy metals, pesticides and other food safety requirements as laid down by the Codex Alimentarius Commission, or importing countries requirement for exports.

3. CRITERIA FOR GRADE DESIGNATION

Designation	Extraneous matter		Broken seeds, percent by mass (max.)	Bulk density. (No. of seeds/kg) (max.)	Insect Infected seeds percent by mass (max.)	Moisture, percent (max.)	Oil percent (on dry weight basis) (Min.)
	Organic Percent by mass (max.)	Inorganic Percent by mass (max.)					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
Special	1.0	0.5	9.0	800	3.0	9.0	30.0
Standard	2.0	1.0	11.0	1000	5.0	10.0	25.0
General	3.0	1.0	12.0	1200	6.0	11.0	20.0

4. Other requirement:

- (i) The condition of the Karanj Seeds shall be as to enable it:-
- to withstand transport and handling and
 - to arrive in satisfactory condition at the place of destination.
- (ii) Karanj Seeds shall be stored in appropriate cool and dry place maintained in a clean and hygienic condition.

Explanation:

- (a) Extraneous matter:
- (i) Organic matter consists of leaves, twigs, stems, organic matters other than the Karanj seeds.
- (ii) Inorganic matter consists of metallic pieces, sand, gravel, dirt, pebbles, stones, lumps of earth, clay and mud, animal filth.
- (b) Insect infected seeds means seeds which are wholly or partially bored or eaten by weevils.
- (c) Whole seeds mean mature, sound and clean seeds.
- (d) Damaged seeds means kernels or pieces of kernels that are sprouted or internally damaged as a result of heat, microbe and moisture.

[F. No. 18011/5/2008-M. II]

RAJENDRA KUMAR TIWARI, Jt. Secy. (Marketing)